राजस्थान पत्रिका
अहमदाबाद, शुक्रवार, 24 सितंबर, 2021

ने आर्थिक सहायता के लिए फार्म भरा है। उनका मानना है कि मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपए की सहायता देना भी कम है।

चुनाव 5 अक्टूबर
इससे पहले राज्य के
मंत्री जयेश रादडिया
गांधीनगर गए थे
नेताओं व मंत्रियों से

सीयूजी में वेबिनार

लैंगिक समानता पूरे समाज के लिए आवश्यक: अनुप्रिया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर . लैंगिक समानता केवल नारियों के लिए ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिए आवश्यक हैं। प्रधानमंत्री की परिकल्पना में सुशासन के लिए महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी देखने को मिलती हैं।

केन्द्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय- गांधीनगर के संयुक्त तत्वधान में आयोजित वेबिनार में यह बात कही। उन्होने केंद्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना की विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह लैंगिक समानता के पूर्ण एवं वास्तविक लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगी। उच्च शिक्षा सचिव अमित खरे, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह एवं वसुधा कामथ ने भाग लिया। यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह ने कहा कि सिंगल चाइल्ड योजना एवं अन्य कई योजनाओं के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होने कहा कि केंद्र सरकार की न्यू इण्डिया, मेक-इन-इण्डिया एवं आत्मनिर्भर भारत योजनाएं सुशासन हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई हैं। उच्च शिक्षा सचिव अमित खरे ने लैंगिक समानता सूचकांक में भारत की सुधरती स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए इन योजनाओं को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

मुख्य वक्ता वसुधा कामथ ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि व्यवसाय एवं उद्योग के क्षेत्र में भी महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को रेखांकित किया। उन्होंने लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए विभिन्न नीतियों की चर्चा की। इससे पूर्व गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता सुशासन के लिए अत्यंत अहम कड़ी हैं।

जीयू की बीक
बीबीए, बीसी
की मेरिट में 3
से ज्यादा को

अहमदाबाद. गुजरात
(जीयू) की ओर से
बीकॉम, बीबीए, बी
एमबीए और एमएस
में प्रवेश के लिए आवे
विद्यार्थियों की फाइनल
जारी कर दी। फाइनल
में 39161 विद्यार्थियों
हैं। जीयू प्रवेश समि
इस वर्ष 60346
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन
लेकिन उसमें से 405
ने ही जरूरी फीस भर
प्रक्रिया को पूरा किया
1348 विद्यार्थियों ने ज
व अन्य दस्तावेज जम
जिसके चलते उन्हें गु
की गई फाइनल मेरिट
नहीं दी गई है। इस वज
मेरिट में कुल 39161
शामिल किया गया है।
कोर्स में 33 हजार वि
प्रवेश आवंटित किए ग
सात हजार सीट रिक्त र
वर्ष रिक्त रहने वाली सी
कम रहने का अनुमान